अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2016) | दिनांक 22.12.2016

पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

भिक्षु दृष्टांत – 30

प्र.1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। 8

(क) टीकमजी को कौन सा थोकड़ा कंठस्थ था जिसके अनुसार उन्होंने आश्रव को सावद्य बताया या निरवद्य?

(ख) ''भगवान् ने तपस्या सरागपन में की।'' टीकमजी के कथन पर हेमजी स्वामी ने तपस्या से क्या अभिप्राय बताया?

(ग) हीरजी जती ने हेमजी स्वामी को किसको मारने की बात कही और क्यों कही?

(घ) ''पहले पुन्य बंधता है या निर्जरा होती है?'' इस प्रश्न का उत्तर मुनि खेतसीजी ने क्या व किस आगम के संदर्भ से दिया?

(ङ) उत्तराध्ययन सूत्र में छहों लेश्याओं को कर्म लेश्या किस अपेक्षा से कहा गया है?

(च) टीकमजी नित्य पिंड पानी किसके घर से लेते थे?

(छ) ''कच्चे पानी के लोटे में मक्खी पड़ गई उसे बाहर निकालने में धर्म या पाप?'' यह प्रश्न किसने किससे पूछा?

(ज) ''श्रावकों को पीटना कहाँ है?'' यह प्रश्न किसने किससे पूछा?

(झ) विजयचंदजी पटवा ने मिथ्यात्व के अंधेरे को मिटाने का क्या उपाय बताया?

(ञ) हेमजी स्वामी ने हाथ कांपने के कितने व क्या–क्या कारण बताये?

प्र.2 किन्हीं दो घटना–प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें। 12

(क) भीखणजी उपकार को मानते हैं। (ख) भरत क्षेत्र में साधुओं का विरह।

(ग) ये चर्चा के योग्य नहीं। (घ) फकीर वाला दुपटा।

प्र.3 दृष्टांतों (चार) द्वारा सिद्ध करें कि तेरापंथ के श्रावक तत्त्वचर्चा में निपुण थे। 10

''अथवा''

हेमजी स्वामी ने गृहस्थपन में जो चर्चायें की उन्हें लिखें।

भ्रम विध्वंसन – 35

प्र.4 किन्हीं आठ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 8

(क) कृष्ण लेश्या में कितने ज्ञान पा सकते हैं?

(ख) उदयजन्य लब्धियाँ किस प्रकार प्राप्त होती हैं?

(ग) ''संरिक्त–विउल–तेय–लेस्से'' इस कथन का क्या अभिप्राय है?

(घ) सुलसा गाथा – पति की कामना किसने तथा किस प्रकार पूर्ण की?

(ङ) प्रकीर्ण ग्रन्थ का निर्माण कौन करता है? ''या'' प्रकीर्ण ग्रन्थ कौन बनाते हैं?

(च) थावच्चा पुत्र अणगार ने विनय का क्या अर्थ किया?

(छ) जयाचार्य ने इस ग्रन्थ का निर्माण किस उद्देश्य से किया?

(ज) भगवती सूत्र में सुपात्र दान देने से क्या लाभ बताया गया है?

(झ) देवता व नारकी में जीव के कितने व कौन–कौन से भेद हैं?

(ञ) एक गेयात्मक आगमिक अध्ययन का नाम बतायें।

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) भगवान महावीर के धर्मसंघ में कौन–कौन से शूद्र–चाण्ड़ाल श्रावक तथा साधु बनें? नाम लिखें।

(ख) आनन्द श्रावक ने दान के संदर्भ में क्या प्रतिज्ञा की?
(ग) पुण्य के बंधन का क्या मतलब होता है?
(घ) निशीथ सूत्र के अनुसार साधु या साध्वी के चातुर्मासिक प्रायश्चित आने का एक कारण बतायें।

प्र.6 कोई दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12
(क) कुछ आचार्यों ने कौन से हिंसाजन्य कार्यों को निर्दोष मानकर करणीय बताया?
(ख) ठाणं सूत्र के अनुसार दान के कितने भेद हैं? उनकी व्याख्या करें।
(ग) ''निर्ग्रन्थ की आहार और निद्रा'' पर टिप्पणी लिखें।
(घ) आश्रव और संवर जीव या अजीव समाधान प्रस्तुत करें।

प्र.7 ''श्रुतरहित–मिथ्यात्वी यदि सम्यक् क्रिया करता है तो वह मोक्ष का देश आराधक है'' इस कथन को सिद्ध करें। 10

'अथवा'

सिद्ध करें कि पापकारी प्रवृत्ति से आत्मा की रक्षा करना ही आत्मदया है।

भिक्षु गीता – 20

प्र.8 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 3
(क) शिक्षा के दो प्रकार कौन–कौन से हैं?
(ख) गुणात्मक शक्तियाँ कितनी और कौन–कौन सी हैं?
(ग) अल्प सत्त्व वाले मनुष्य तथा महासत्त्व वाले मनुष्य में क्या अन्तर है?
(घ) स्वभाव के परिवर्तन का मुख्य साधन क्या है?

प्र.9 दोष शुद्धि की क्या प्रक्रिया है? 5

'अथवा'

आचार्य के मुख्य कार्य व अर्हतायें लिखें।

प्र10 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 12
(क) आत्मानुशासकः कश्चित् कश्चित् परानुशासकः।
द्वयानुशासको युक्तः गणसन्ततिवृद्धये।।
(ख) उपायद्वयमत्रेदमास्थाऽनुशासनं तथा।
अनेन संभवेत् तेषां संग्रहो वीतविग्रहः।।
(ग) श्रुतज्ञानं विशिष्टं नो चारित्रे कुशला मतिः।
तस्यास्ति नवनवतिः 'नवले' रूप्यकाणि च।।
(घ) कषायोपशमः साध्यः उपशांतः सदा सुखी।
स एवायतिसौभाग्यो नूनं चित्तसमाधिभाक्।।

भिक्षु वाणी (पूर्व कंठस्य) – 15

प्र11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 6
(क) आभे फाटे.....परिया बधार।। (ख) हलू करमीं.....टलें असमाध।।
(ग) समझाया.....अन्तर जोय।। (घ) वृक्ष तणो.....राखण हार।।

प्र12 कोई तीन विषयों पर पद्य लिखें। 9
(क) आसक्ति (ख) उपदेष्टा (ग) दुष्कर साधना (घ) राग
(ड़) संकीर्णता